www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 हिन्दू या भगवा कभी आतंकवादी नहीं हो सकता

3 जेल लोक अदालत आयोजित, 12 मामलों का हुआ...

4 पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़-पौधे लगाना अति...

वर्ष: 9 | अंक: 284 | दिल्ली, गुरुवार, 7 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

# कर्तव्य भवन केवल इमारत नहीं, सपनों को साकार करने की तपोभूमि है-मोदी

**(एजेन्सी)।**

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर स्थित कर्तव्य भवन-03 का उद्घाटन किया। बाद में शाम को उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए इस अवसर के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगस्त क्रांति का महीना है और स्वतंत्रता दिवस से पहले, देश आधुनिक बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के पूरा होने के साथ कई ऐतिहासिक मील के पत्थर देख रहा है। उन्होंने कहा कि ये केवल कुछ नए भवन और सामान्य इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं हैं। अमृतकाल में इन्हीं भवनों में विकसित भारत की नीतियां बनेंगी, विकसित भारत के महत्वपूर्ण निर्णय होंगे और राष्ट्र की दिशा तय होगी।

मोदी ने दावा किया कि हमने बहुत मंथन के बाद कर्तव्य भवन नाम दिया है। कर्तव्य पथ, कर्तव्य भवन हमारे लोकतंत्र की, हमारे संविधान की मूल भावना का उद्घोष करते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद, देश की प्रशासनिक मशीनरी दशकों तक ब्रिटिश काल में बनी इमारतों में ही चलती रही। इन प्रशासनिक इमारतों में काम करने की स्थिति बहुत खराब थी, जहाँ काम करने वालों के लिए जगह की कमी, रोशनी की कमी और वेंटिलेशन की कमी थी। गौरतलब है कि गृह मंत्रालय आवश्यक संसाधनों और सुविधाओं के अभाव के बावजूद एक सदी से भी ज्यादा समय तक इसी इमारत से काम करता रहा।

नरेंद्र मोदी ने ने कहा कि कर्तव्य सिर्फ एक इमारत का नाम भर नहीं है, यह करोड़ों देशवासियों के सपनों को साकार करने की तपोभूमि है। कर्तव्य ही आरंभ है, कर्तव्य ही प्रारब्ध है। करूणा और कर्मणता के स्नेहसूत्र में बंधा कर्म... यही तो है कर्तव्य। उन्होंने कहा कि सपनों का साथ है-कर्तव्य। संकल्पों की आस है-कर्तव्य। परिश्रम की पराकाष्ठा है-कर्तव्य। हर जीवन में जो ज्योति जला दे, वो इच्छाशक्ति है-कर्तव्य। करोड़ों देशवासियों की रक्षा का आधार है-कर्तव्य। माँ भारती की प्राण-ऊर्जा की ध्वज वाहक है-कर्तव्य। नागरिक देवो भव का जाप है-कर्तव्य। राष्ट्र के प्रति भक्ति भाव से किया हर कार्य है-कर्तव्य। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार, एक समग्र दृष्टि के साथ भारत के नव-निर्माण में जुटी है। ये तो पहला कर्तव्य भवन पूरा हुआ है, ऐसे कई कर्तव्य भवनों का निर्माण तेजी से चल रहा है। देश का कोई भी हिस्सा आज विकास की धारा से अछूता नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन जैसा आधुनिक बुनियादी ढाँचा, न केवल जन-समर्थक भावना को दर्शाता है, बल्कि ग्रह-समर्थक भी है। यह भवन नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने के लिए छत पर सौर पैनल से सुसज्जित है, और उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को इसके डिजाइन में सहजता से एकीकृत किया गया है। आज देश भर में टिकाऊ, हरित भवन बनाने का दृष्टिकोण तेजी से गति पकड़ रहा है।

मोदी ने कहा कि इन प्रशासनिक भवनों की कार्य-स्थितियाँ बेहद खराब थीं...भारत सरकार के कई मंत्रालय दिल्ली में 50 अलग-अलग जगहों से संचालित हो रहे हैं। इनमें से ज्यादातर मंत्रालय किराए के भवनों में चल रहे हैं, जिन पर सालाना डेढ़ हजार करोड़ रुपये का खर्च आता है। यह रकम केंद्र सरकार सिर्फ.किराया चुकाने में ही खर्च कर रही है...कर्तव्य भवन भी कई बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इससे किराए के 1500 करोड़ रुपये बचेंगे। उन्होंने कहा कि हमें फाइलों को लेकर अपने नजरिए को बदलने की जरूरत है। एक फाइल, एक शिकायत...ये देखने में रोजमर्रा का काम लग सकता है, लेकिन किसी के लिए वही एक कागज उनकी उम्मीद हो सकती है। एक फाइल से कितने ही लोगों का जीवन जुड़ा हो सकता है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि कितने ही देश, जो हमारे साथ-साथ आजाद हुए थे, वो तेजी से आगे बढ़ गए। लेकिन भारत वैसी तेजी से प्रगति नहीं कर पाया-इसके अपने कारण रहे होंगे...। लेकिन अब हमारा दायित्व है कि हम समस्याएं आने वाली पीढ़ियों के लिए न छोड़ें।

## संक्षिप्त समाचार

### 7 साल बाद 31 अगस्त को चीन जाएंगे पीएम मोदी

**नई दिल्ली (एजेन्सी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक तियानजिन शहर में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा करेंगे। 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद यह उनकी पहली चीन यात्रा होगी। उन्होंने पिछली बार 2019 में चीन का दौरा किया था। एससीओ सदस्य देशों के साथ चर्चा में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और व्यापार जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। भारत-चीन संबंधों में स्थिरता और संवाद बहाल करने के प्रयास किए जाएँगे। शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अनौपचारिक मुलाकात की संभावना है। इससे पहले, अक्टूबर 2024 में, प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मिले थे। इसके बाद, दोनों देशों के बीच सीमा तनाव कम करने के प्रयासों में तेजी आई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस वर्ष की शुरुआत में आयोजित एससीओ बैठकों में भाग लिया था। जयशंकर ने बीजिंग में शी जिनपिंग से मुलाकात की थी और उन्हें भारत-चीन संबंधों में हालिया घटनाक्रमों से अवगत कराया था, साथ ही द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में निरंतर नेतृत्व मार्गदर्शन के महत्व पर जोर दिया था। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख के गलवान में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच रिश्ते बेहद खराब हो गए थे। इस झड़प में 20 भारतीय जवानों की जान चली गई थी और चीनी पक्ष में भी कई लोग हताहत हुए थे।

### दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशियों समेत 22 विदेशियों को पकड़ा गया

**नई दिल्ली (एजेन्सी)।** दिल्ली पुलिस ने जुलाई में यहां द्वारका उपनगर में आठ बांग्लादेशियों समेत 22 विदेशी नागरिकों को पकड़कर स्वदेश वापसी के लिए भेज दिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिन विदेशियों को पकड़ा गया है उनमें बांग्लादेशी नागरिकों के अलावा, नाइजीरिया के आठ, आइवरी कोस्ट के तीन, लाइबेरिया के दो और सेनेगल का एक नागरिक है। वे बिना वैध वीजा के अवैध रूप से देश में रह रहे थे और उन्हें द्वारका के विभिन्न स्थानों से हिरासत में लिया गया। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा, उन्हें बिना वैध वीजा के भारत में रहते हुए पाया गया। उन्हें विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया, जिसने उनके निर्वासन का आदेश दिया। तदनुसार, उन्हें निरुद्ध केंद्र भेज दिया गया।

### पश्चिम बंगाल में बारिश जारी रहने की संभावना: मौसम विभाग

**पश्चिम बंगाल (एजेन्सी)।** पश्चिम बंगाल में सक्रिय मानसूनी ट्रफ और उत्तर बांग्लादेश के ऊपर स्थित उच्च स्तर के चक्रवाती परिसंचरण के कारण पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में भारी बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के अनुसार, दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार जैसे उप-हिमालयी जिलों में 12 अगस्त तक भारी बारिश हो सकती है। दक्षिणी पश्चिम बंगाल में उत्तर और दक्षिण 24 परगना तथा नदिया समेत कई जिलों में भी आठ अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने बताया कि जलपाईगुड़ी जिले के गैरकाटा टी एस्टेट में पिछले 24 घंटों में सुबह साढ़े आठ बजे तक राज्य में सर्वाधिक 120 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

# डिजिटल युग में भी किताबों से प्रेम भारत को विश्वगुरु बनाएगा: सीएम रेखा गुप्ता

## दिल्ली को साहित्य और कला की राजधानी बनाने का नेतृत्व कर रही है सरकार-कपिल मिश्रा

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारत मंडपम, प्रगति मैदान के हॉल नंबर 12 और 12A में '29वें दिल्ली पुस्तक मेला 2025' का उद्घाटन बड़े ही उत्साह और गौरव के साथ किया। फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स (एफआईपी) और इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) द्वारा आयोजित यह भव्य आयोजन दिल्ली सरकार के सहयोग से 6 से 10 अगस्त तक चलेगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया यह बहुत ही सकारात्मक संकेत है कि इस डिजिटल युग में भी युवाओं का रुझान किताबों की ओर कम नहीं हुई है। यह किताबों के प्रति प्रेम और पठन-पाठन की शैली भारत को विश्वगुरु बनाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित कला, संस्कृति और भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने भी साहित्य और शिक्षा की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता बताते हुए कहा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अगुआई में दिल्ली सरकार दिल्ली को साहित्य एवं कला की राजधानी बनाने का नेतृत्व कर रही है। इस पुस्तक मेले के साथ 25वां स्टेशनरी फेयर और 9वां ऑफिस ऑटोमेशन एवं कॉपोरेट गिफ्ट फेयर भी जोड़ा गया है, जिससे यह मेला न केवल साहित्यिक, बल्कि शैक्षिक, व्यापारिक और रचनात्मक संवाद का भी केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में पुस्तक मेले को एक भावनात्मक यात्रा बताया। उन्होंने कहा किताबें जीवन की सबसे सच्ची और निःस्वार्थ मित्र हैं, जो न अपेक्षा करती हैं, न शर्त रखती हैं, केवल साथ निभाती हैं। यह मेला उस मित्रता का उत्सव है। उन्होंने कहा किताबें केवल पन्ने नहीं बल्कि पीढ़ियों को दिशा देने वाले पथप्रदर्शक हैं। उन्होंने दिल्ली बुक फेयर को न केवल एक वार्षिक आयोजन, बल्कि पीढ़ियों की स्मृतियों से जुड़ा एक 'सांस्कृतिक संस्कार' बताया। मुख्यमंत्री ने बच्चों, युवाओं और अभिभावकों को पुस्तक संस्कृति से जुड़ने का आमंत्रण दिया और आयोजकों को इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री ने साझा किया कि एक परियोजना के अप्रत्याशित स्वीकृति के बाद, उन्हें ' द अल्केमिस्ट' पुस्तक भेंट में मिली थी। उसमें लिखी पंक्ति जब आप किसी चीज को शिद्दत से चाहते हैं, तो पूरी कायनात उसे आपसे मिलाने में लग जाती है उनके लिए जीवन दर्शन बन गई। उन्होंने कहा हर किताब एक यात्रा है, जो हमें स्वयं से मिलवाती है। मुख्यमंत्री ने गोदान, परिणीता जैसी कालजयी कृतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि असली पाठक केवल पढ़ता नहीं, पात्रों को जीता है। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति और भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने पुस्तक मेले को साहित्य, संस्कृति और विचारों का महाकुंभ बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि आज दिल्ली को एक ऐसा नेतृत्व मिला है, जो केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना से भी समृद्ध है। श्री मिश्रा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ज्ञान आधारित समाज के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि किताबें केवल ज्ञान नहीं, बल्कि संस्कार भी देती हैं और दिल्ली सरकार इस विचारधारा को आत्मसात कर चुकी है।

श्री मिश्रा ने सुझाव दिया कि आगामी वर्षों में पुस्तक मेले को एक 'साहित्यिक महोत्सव' का रूप दिया जाए, जिसमें कवियों, लेखकों, विद्यार्थियों और साहित्यप्रेमियों को संवाद और रचनात्मक सहभागिता का मंच मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने इस वर्ष कला, संस्कृति और भाषा विभाग के लिए ऐतिहासिक बजट स्वीकृत किया है, जिसका प्रभाव दिल्ली के सांस्कृतिक परिदृश्य पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। कार्यक्रम में आईटीपीओ चेयरमैन श्री प्रदीप सिंह खरौला व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# हैंडलूम पहनें और नेशनल हैंडलूम डे को गर्व के साथ राष्ट्रीय त्योहार की तरह मनाएं: रेखा गुप्ता

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली ने वस्त्र कथा 2025 के साथ भारत की हैंडलूम विरासत का भव्य उत्सव देखा। नेशनल हैंडलूम डे के अवसर पर आयोजित इस खास कार्यक्रम में अशोक होटल में दिनभर चली प्रदर्शनी में भारत के बेहतरीन हैंडलूम और खादी उत्पादों का प्रदर्शन हुआ। इसके बाद फैशन शो हुआ, जिसने स्वदेशी कपड़ों की ताकत, खूबसूरती और स्थिरता को दुनिया के सामने पेश किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों से हैंडलूम अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम अपने देश के प्रति प्यार स्वदेशी कपड़ा पहनकर भी दिखा सकते हैं। प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' विजन ने हमें सिखाया है कि हमें अपनी धरोहर-खादी, बुनकरों और इस उद्योग में काम करने वाले लाखों लोगों-में निवेश क्यों करना चाहिए। जम्मू-कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक, हर राज्य का कपड़ा अपनी एक अलग कहानी कहता है। मैं गर्व से अलग-अलग राज्यों की हैंडलूम साड़ियां पहनती हूं और चाहती हूं कि दिल्ली की सभी बहनें इस संस्कृति को अपनाएं।

उन्होंने आगे कहा कि हम विदेशी ब्रांड्स पर हजारों रुपये खर्च करते हैं, जबकि हमारी अपनी हैंडलूम दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती है। मैं हर दिल्लीवासी से अपील करती हूं कि अपने हैंडलूम आउटफिट्स की फोटो सोशल मीडिया पर डालें, मुझे टैग करें और इंडियन हैंडलूम का समर्थन करें। हम मिलकर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं, अपने कारीगरों का साथ दे सकते हैं और अपनी विरासत का जश्न मना सकते हैं। उद्योग मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने डिजाइनर्स और कारीगरों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य हैंडलूम को हर घर तक पहुंचाना है, इसे सिर्फ परंपरा से बढ़ाकर फैशन आइकन बनाना है। आज यहां जो काम हुआ है, उसकी चर्चा पूरे दिल्ली और उससे बाहर होगी। उन्होंने आगे बताया कि जल्द ही सभी डिजाइनर्स के खास हैंडलूम कलेक्शन लॉन्च किए जाएंगे, ताकि इस कला को और आगे बढ़ाया जा सके।

कारीगरों ने दिल्ली सरकार का आभार जताया। मोहम्मद सलाम अंसारी ने कहा, हमारी पीढ़ियां इस कला को जिंदा रखे हुए हैं। यह मंच हमें गर्व और पहचान देता है। मोहन वर्गीस ने कहा, कुछ साड़ियां एक साल में तैयार होती हैं, जिनमें चांदी और सोने के धागे हाथ से बुने जाते हैं। इन्हें यहां दिखाना हमारे लिए सम्मान की बात है।

# मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की शिष्टाचार भेंट

## हरियाणा के विकास, जनकल्याण और भावी योजनाओं पर हुई सकारात्मक चर्चा

**एसबी संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान हरियाणा के वर्तमान विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और भावी परियोजनाओं को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य की विकास यात्रा की प्रगति से अवगत करवाया कि केंद्र सरकार की नीतियों एवं सहयोग से हरियाणा अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'डबल इंजन' की सरकार के रूप में हरियाणा निरंतर आगे बढ़ रहा है और राज्य के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, कृषि, उद्योग और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में लाभ प्राप्त हो रहा है। श्री सैनी ने प्रधानमंत्री को राज्य में चल रही कुछ प्रमुख योजनाओं व कार्यक्रमों के संदर्भ में जानकारी साझा की तथा राज्य सरकार की भावी प्राथमिकताओं से भी अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना को केंद्र में रखते हुए राज्य के हर वर्ग के समावेशी विकास के लिए कार्य कर रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से राज्य हित के विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया तथा इन क्षेत्रों में केंद्र सरकार के सहयोग को लेकर धन्यवाद भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप जनसेवा व सुशासन के लिए सतत प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में हरियाणा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के साथ विकसित हरियाणा की ओर तीव्र गति से प्रगति की दिशा में अग्रसर होगा। हरियाणा सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से 'डबल इंजन सरकार' की भावना से राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

# 190 लोगों को बचाया गया, केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कर रही काम: मुख्यमंत्री धामी

**एसबी संवाददाता**

**देहरादून।** उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि धराली इलाके में बादल फटने से आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद लगभग 190 लोगों को बचा लिया गया है। एएनआई से बात करते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने दोहराया कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही घटना के पीड़ितों के लिए व्यवस्था करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि आपदा ने पूरे धराली को प्रभावित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा ने पूरे धराली को पूरी तरह प्रभावित किया है और कल की घटना के बाद कई चरणों में मलबा वहाँ आया है। मैं आज वहाँ गया और लोगों से मिला, उनसे बात की और घटना की जानकारी ली। आपदा ने सब कुछ तबाह कर दिया। इसके साथ ही, शाम तक सेना के जवानों ने धराली से लगभग 190 लोगों को बचा लिया है। उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। अभी घायलों को भी वहाँ से निकालकर उत्तरकाशी लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री

धामी ने आगे कहा कि कई इलाकों को जोड़ने वाली सड़कें भी भूस्खलन से प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन इलाके में सुविधाओं को बहाल करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, "कई जगहों पर भूस्खलन से पूरी संपर्क सड़क पूरी तरह प्रभावित हुई है... हमें इलाके में बिजली और मोबाइल नेटवर्क भी बहाल करना है। खराब मौसम के कारण, सुविधाओं को पूरी तरह से बहाल करना हमारे लिए एक चुनौती है। आज सुबह मैंने दो बार वहाँ जाने का प्रयास किया और तीसरी बार, मैं आखिरकार पीड़ितों से मिलने गया।

# ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ विरासत का संरक्षण आवश्यक: विजेंद्र गुप्ता

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मीडिया प्रतिनिधियों को विधानसभा परिसर के उस स्थान का भ्रमण कराया जिसे फांसीघर कहकर प्रस्तुत किया गया था। भ्रमण का उद्देश्य तथ्यों के आधार पर ऐतिहासिक सच्चाई स्पष्ट करना और इस प्रकार की भ्रामक धारणाओं को दूर करना था।

गुप्ता ने स्पष्ट शब्दों में कहा, यहां फांसीघर जैसा कोई स्थान कभी नहीं रहा है। न तो कोई ऐतिहासिक प्रमाण है, न ही कोई अभिलेखीय आधार। यह पूरी तरह से एक मिथ्या प्रस्तुति है। भ्रमण के दौरान माननीय अध्यक्ष ने विधानसभा भवन के ऐतिहासिक विकास की जानकारी देते हुए बताया कि इस इमारत की कहानी 11 दिसंबर 1911 से शुरू होती है, जब किंग जॉर्ज पंचम के दिल्ली दरबार में तत्कालीन वायसराय द्वारा भारत की राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की ऐतिहासिक घोषणा की गई थी। इसके बाद नई राजधानी में सचिवालय और इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के लिए भवन निर्माण की आवश्यकता पड़ी।

1912 में इस विधानसभा कक्ष का निर्माण प्रसिद्ध ब्रिटिश वास्तुकार ई. मोंटेग्यू थॉमस के डिजाइन में आरंभ हुआ और मात्र आठ महीनों में फकीर चंद ठेकेदार की देखरेख में कार्य पूर्ण हुआ। यह भवन पहले इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल तथा 1919 के बाद सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली का कार्यस्थल रहा। इसके मूल स्थापत्य चित्र आज भी राष्ट्रीय अभिलेखागार में संरक्षित हैं।

गुप्ता ने भ्रमण के दौरान भवन की प्रमुख विशेषताओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि अध्यक्ष कक्ष के दोनों ओर बराबर दूरी पर दो एक जैसे लिफ्ट शाफ्ट स्थित हैं, जो ब्रिटिश काल में सदस्यों तक टिफिन पहुँचाने के लिए बनाए गए थे। इन सेवा कक्षों को ही अब गलत तरीके से फांसीघर कहकर प्रचारित किया जा रहा है, जबकि इसका कोई ऐतिहासिक या स्थापत्य प्रमाण मौजूद नहीं है। अध्यक्ष ने कहा कि यह भवन सिर्फ 115 वर्ष पुराना स्मारक नहीं है, बल्कि यह भारत की संवैधानिक और राजनीतिक यात्रा का साक्षी है।दिल्ली को राजधानी बनाए जाने से लेकर इस कक्ष के निर्माण तक की यात्रा एक ऐतिहासिक परंपरा है, जिसे तथ्यों और श्रद्धा के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए। गुप्ता ने यह भी कहा कि इस विषय को सदन में औपचारिक रूप से उठाया जाएगा ताकि सभी तथ्य और दृष्टिकोण विधिवत रूप से रिकॉर्ड पर आ सकें। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि जनता के करोड़ों रुपये इस भवन को एक काल्पनिक फांसीघर के रूप में प्रस्तुत करने में व्यर्थ खर्च कर दिए गए—जो ऐतिहासिक दृष्टि से भ्रामक और जनधन का दुरुपयोग है। भ्रमण के समापन पर गुप्ता ने कहा, ऐतिहासिक स्थलों की व्याख्या तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित होनी चाहिए, विशेषकर जब बात किसी संवैधानिक संस्था की हो। आने वाली पीढ़ियों को इतिहास से जोड़ने का दायित्व हमारा है, और इसके लिए सत्यनिष्ठ प्रस्तुति अनिवार्य है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दिल्ली विधानसभा अपनी संस्थागत विरासत को पूरी प्रामाणिकता और जिम्मेदारी के साथ संरक्षित व प्रस्तुत करने के लिए संकल्पबद्ध है।

# सम्पादकीय

## उत्तरकाशी में प्राकृतिक आपदा

**भारत** वर्ष में विज्ञान और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। बावजूद इसके ब्रेक के बाद यहां आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के बारे में सटीक अनुमान लगा पाना अब भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एआई के अप्रत्याशित विकास के बावजूद शोधकर्ताओं की उदासीनता और लापरवाही से विषयगत सफलता अभी तक हासिल नहीं की जा सकी है। इसलिए सरकार, निजी उद्यमियों और शोधार्थियों को इस ओर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। खासकर मौसम विज्ञान और पर्यावरण ज्योतिष के अनुसंधान कताओं को इस ओर ज्यादा फोकस करने की जरूरत है। इससे समय रहते ही हमें सटीक भविष्यवाणी करने में मदद मिलेगी और ऐसी आपदाओं के बाद होने वाली भारी धन-जन की हानि भी रोकने में मदद मिलेगी। और यदि ऐसा संभव हुआ तो यह भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि भी होगी। बताते चलें कि उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में आई अकस्मात बादल फटने जैसी आपदा प्रकृति और आये दिन बिगड़ते पारिस्थितिकी संतुलन की एक और गंभीर चेतावनी है। चूंकि पर्वतीय प्रदेशों में ऐसी चेतावनियों की एक लंबी श्रृंखला है, जो हमें चीख चीख कर यह बताती है कि पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन साधने की कितनी जरूरत है? खासकर, देश के पहाड़ी राज्यों, यथा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश आदि पर्वतीय प्रदेशों को लेकर ऐसी नीति बननी चाहिए, जिससे पहाड़ और इंसानों के बीच चिरस्थायी संतुलन बना रहे। इसलिए यह सवाल उठता है कि आखिरकार कुदरत की चेतावनी को हमलोग कब समझेंगे? और सिर्फ समझेंगे ही नहीं, बल्कि उनके अनुरूप ही अपना अग्रगामी व्यवहार भी बदलेंगे। यह ठीक है कि तकनीकी क्रांति और सूचना क्रांति से विकास में अप्रत्याशित गति आई है, लेकिन विकास के भौगोलिक मानदंडों की उपेक्षा की जो सार्वजनिक और व्यक्तिगत कीमत सम्बन्धित लोगों को चुकानी पड़ रही है, वह नीतिगत व प्रशासनिक लापरवाही नहीं तो क्या है? यक्ष प्रश्न बन चुका है। जानकारों का कहना है कि उत्तरकाशी के धराली गांव में खीरगंगा नदी के ऊपरी क्षेत्र में जो बादल फटा, उंससे आये फ्लैश फ्लड ने रास्ते में आने वाली हर चीज को अपनी चपेट में ले लिया। इससे प्रभावित इलाके से आ रहे विडियो दिल दहलाने वाले हैं। चूंकि अभी चारधाम यात्रा का सीजन चल रहा है और यह गांव गंगोत्री वाले रास्ते पर ही पड़ता है, जो श्रद्धालुओं के रुकने का एक अहम पड़ाव भी है। ऐसे में जानमाल की बड़े पैमाने पर हानि होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। चूंकि उत्तरकाशी जैसे उत्तराखंड के जनपदों में ब्रेक के बाद प्राकृतिक आपदा आती रहती है। इसलिए यहाँ पर निरंतर/लगातार आफत आते रहने से शोधकताओं को और भी अधिक ध्यान देने की जरूरत है। ऐसा इसलिए कि हाल के बरसों में उत्तराखंड इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं के केंद्र में रहा है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में चमोली जनपद में, नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास एक ग्लेशियर टूटकर गिर गया था। इसकी वजह से धौलीगंगा नदी में अचानक बाढ़ आ गई और तपोवन विष्णुगाड पनबिजली परियोजना में काम करने वाले कई श्रमिकों को जान गंवानी पड़ी। इसी तरह, साल 2023 की शुरूआत में एक और धार्मिक पर्यटन स्थल जोशीमठ में भूस्खलन ने एक बड़ी आबादी को विस्थापित कर दिया। वहीं, साल 2013 में केदार घाटी में मची भयानक तबाही से लेकर अभी तक, छोटी-बड़ी ऐसी कई प्राकृतिक आपदाएं आ चुकी हैं। इसलिए पुनः सुलगता हुआ सवाल यहां आकर ही ठहर जाती है कि आखिर में पहाड़ से छेड़छाड़ कब रुकेगी? क्योंकि आरोप है कि उत्तराखंड में चल रहे बेशुमार पावर प्रॉजेक्ट्स ने पहाड़ों को खोखला कर दिया है। वहीं, इस दौरान क्षेत्र में बढ़ती आबादी, लाखों पर्यटकों के बोझ, अनियंत्रित निर्माण और घटती हरियाली को मिला दीजिए तो स्थिति विस्फोटक बन जाती है। इसलिए पर्यावरण प्रेमी पहाड़ अनुकूल विकास करने की मांग हमेशा उठाते रहते हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि बादल फटना एक प्राकृतिक घटना है, जिस पर इंसानों का कोई जोर नहीं। लेकिन, यह भी एक उद्वेलित करने वाला तथ्य है कि जब पानी के निकलने के रास्तों, नालों-गदेरों के मुहानों पर कंक्रीट के बड़े-बड़े स्ट्रक्चर खड़े हो चुके हैं, तो फिर उन तमाम जगहों पर, जिन रास्तों से पानी को बहना था, आखिर वह कैसे निकलेगा। क्योंकि उन रास्तों पर तो प्रकृति प्रेमी इंसान बस चुका है। स्पष्ट है कि यह जानबूझकर आफत बुलाने जैसा है। इसी के चक्कर में भारी धन-जन की हानि झेलनी पड़ती है और आपदा आने के बाद प्रशासन का जो सिर दर्द बढ़ता है, वह अलग बात है। इसलिए समकालीन स्थिति-परिस्थितियों को बदलने की जरूरत है। इंसान को संभलने की जरूरत है। सच कहूं तो उत्तराखंड को लेकर यह जारी बहस तकरीबन 5 दशक पुरानी है। वह यह कि विकास किस कीमत पर होना चाहिए? साल 1976 में, गढ़वाल के तत्कालीन कमिश्नर एमसी मिश्रा की अध्यक्षता में गठित एकं कमिटी ने जोशीमठ को बचाने के लिए फौरन कुछ कदम उठाने की सिफारिश की थी-इनमें संवेदनशील जोन में नए निर्माण पर रोक और हरियाली बढ़ाना प्रमुख था। लेकिन 49 साल बाद आज वह रिपोर्ट पूरे पहाड़ के लिए प्रासंगिक हो चुकी है।

### जयंती

**वासुदेव शरण अग्रवाल**

जन्म-7 अगस्त, 1904, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश; मृत्यु-26 जुलाई, 1966) भारत के प्रसिद्ध विद्वानों में से एक थे। वे भारत के इतिहास, संस्कृति, कला, साहित्य और प्राच्य विद्या आदि विषयों के विशेषज्ञ थे। वासुदेव शरण अग्रवाल 'हिन्दी विश्वकोश सम्पादक मण्डल' के प्रमुख सदस्य थे। उन्होंने मथुरा संग्रहालय (उत्तर प्रदेश) के संग्रहाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान की थीं। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'पाणिनिकालीन भारतवर्ष' में भारत की संस्कृति, कला और साहित्य आदि पर प्रकाश डाला गया है। उन्हें साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत भी किया गया था।

### पुण्यतिथि

**रबीन्द्रनाथ ठाकुर**

जन्म-7 मई, 1861, कलकत्ता, पश्चिम बंगाल; मृत्यु-7 अगस्त, 1941, कलकत्ता) एक बांग्ला कवि, कहानीकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार और चित्रकार थे। भारतीय संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ रूप से पश्चिमी देशों का परिचय और पश्चिमी देशों की संस्कृति से भारत का परिचय कराने में टैगोर की बड़ी भूमिका रही तथा आमतौर पर उन्हें आधुनिक भारत का असाधारण सृजनशील कलाकार माना जाता है।

### कल मिलेंगे

**लड़की**-यार, बस स्टॉप पर 1 घंटे तक बस ही नहीं आई
फिर मैंने BMW खरीदी...
**ब्वॉयफ्रेंड**- wow, तुमने BMW खरीद ली...
लेकिन इतने पैसे आए कहां से?
**लड़की**-अरे मैं BMW यानी बिसलरी मिनरल वॉटर की बात कर रही हूं...
बहुत तेज प्यास जो लगी थी!

### संजना भारती दैनिक

**भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
**RNI No. : DELHIN/2016/70240**
**Phone No.: 9871221635**
**E-mail ID:** sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

# हिन्दू या भगवा कभी आतंकवादी नहीं हो सकता

**-मृत्युंजय दीक्षित**

> कोर्ट का फैसला आने के बाद अब हिंदू संगठनों की ओर से पी. चिदम्बरम, दिग्विजय सिंह सहित उन सभी लोगों पर कार्यवाही करने की मांग की जा रही है जो सनातन को बदनाम करने के लिए भगवा आतंकवाद की झूठी साजिश रच रहे थे। निश्चय ही हिंदू आतंकवाद का नैरेटिव एक राजनैतिक साजिश है इसका उद्देश्य इस्लामा आतंकियों को खुश करना और वोट बैंक को महबूत करने रहना है

**2004** से 2014 के मध्य पूरा भारत आतंकवाद से त्रस्त था। आये दिन होने वाले आतंकी बम धमाकों ने देश की जनता को भयभीत कर रखा था। ऐसे ही बम धमाकों की श्रृंखला में महाराष्ट्र के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए बम धमाकों में कम से कम छह लोग मारे गए थे और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। 17 वर्षों के बाद मालेगांव की घटना की आम और खास लोगों में चर्चा का एक विशिष्ट प्रयोजन है। तत्कालीन केन्द्र की कांग्रेस सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण की सारी हदें पार करते हुये जहां एक ओर पाक प्रायोजित आतंकवाद पर ढुलमुल रवैया अपनाये रही वहीं दूसरी ओर मालेगांव बम विस्फोट पर हिंदू आतंकवादी का एक काल्पनिक कथानक रचकर उसे खूब प्रचारित और प्रसारित करने का प्रयास किया। बिना किसी सबूत के और बिना किसी जांच के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा अन्य हिन्दू संगठन से जुड़े कई लोगों को गिरफ्तार लिया गया जिनमें साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टीनेन्ट कर्नल पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, समीर कुलकर्णी अजय रहीरकर, सुधाकर द्विवेदी और सुधाकर चतुर्वेदी प्रमुख हैं। सत्रह वर्षों बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के विशेष न्यायालय ने 31 जुलाई 2025 को सभी सातों आरोपियों को ठोस सबूतों के अभाव में दोषमुक्त घोषित करते हुए बरी कर दिया। मुस्लिम तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करने वाले हिन्दू तथा सनातन विरोधी कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की भगवा आतंकवाद की पूरी थ्योरी न्यायपालिक के प्रथम चरण में ध्वस्त हो गई है। अब न्यायालय के निर्णय पर राजनीति होना स्वाभाविक गतिविधि है।

विशेष अदालत के फैसले ने इस तथ्य को पुनःप्रमाणित कर दिया है कि एक हिन्दू अथवा सनातनी कभी भी आतंकी नहीं हो सकता। यह फैसला बहुसंख्यक हिन्दू समाज तथा संत समाज को आनंदित करने वाला है वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाला समूचा विपक्ष आज उसी तरह से रो रहा है जिस प्रकार वे अयोध्या में बाबरी विध्वंस के समय रोये थे। यह वही मुकदमा है जिसके आधार पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भगवा आतंकवाद का एक पूर्णतः असत्य कथानक रचा और पूरे विश्व में सनातन धर्म को अपमानित करने की कोशिश की। साध्वी प्रज्ञा सहित सभी सात आरोपियां को एक नितान्त मनगढ़न्त आरोपों से अपनी असंबद्धता सिद्ध करने के लिये 17 वर्षों तक न केवल कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी अपितु सतत मानसिक और षारीरिक प्रताड़ना भी झेलनी पड़ी थी। एक महिला होने के नाते सर्वाधिक अत्याचार व अपमान साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 9 साल जेल में रहते हुए सहना पड़ा था।

प्रज्ञा ठाकुर का संत से संसद तक का सफर- मध्यप्रदेश की भगवाधारी महिला संत प्रज्ञा सिंह ठाकुर को महाराष्ट्र एटीएस ने गिरफ्तार कर उन्हें पर आतंकवचादी बताया था। लेकिन इन्हीं आरोपों को अवसर में बदलते हुए वह भोपाल से बीजेपी की सांसद चुनी गई। जेल में रहते हुए उन पर 10 दिनों तक अपना अपराध स्वीकार करने सहित साजिश कताओं के नाम बताने के नाम पर अथाह अत्याचार किये गये जिस कारण उनका स्वास्थ्य भी बिगड गया था। किंतु प्रज्ञा ठाकुर जी ने अपना धैर्य, साहस व मनोबल नहीं खोया सभी आरोपी बराबर कहते रहे थे कि यह एक साजिश है और उन सभी को फंसाया जा रहा है। उन सभी के साहस और धैर्य ने हिन्दू-भगवा को आतंकवाद के अनर्गल आरोप से मुक्त करा दिया है। अब आज जाकर साध्वी प्रज्ञा ठाकुर व सभी सात अन्य आरोपी पूर्ण रूप स्वतंत्र हुए हैं हालांकि अभी पीडित परिवारों के वकील का कहना है कि वह सभी लोग मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे वही कुछ मुस्लिम परस्ती की राजनीति करने वाले लोग इस मामले में जनहित याचिका भी डालने जा रहे हैं किंतु महाराष्ट्र सरकार की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि फिलहाल वह इस मामले को ऊपरी अदालत में नहीं ले जाएगी। वहीं कांग्रेस सहित मुस्लिम संगठन महाराष्ट्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कह रहे हैं कि जिस प्रकार वह त्वरित गति से मुंबई ट्रेन धमाकों के मामले को ऊपरी आदालत में लेकर चली गई इसी प्रकार उसे इस फैसले में भी करना चाहिए। किंतु यहां पर सबसे बड़ा प्रश्न यह भी है कि इन सभी अरोपियों के जो 17 बहुमूल्य वर्ष व समय खराब हुआ है उसकी भरपाई कौन और कैसे कर पायेगा? यह जानना भी आवश्यक है कि भगवा आतंकवाद की थ्योरी का जनक आखिर है कौन और इससे किसको लाभ होने वाला था। किसने इन सभी लोगां को आरोपी बनाने की कहानियां गढ़ी क्या अब उन सभी को न्यायपालिका, जांच एजेंसियों के कठघरे में खड़ा किया जाएगा। आखिर कौन है जो हिन्दुओं व भगवा को बदनाम करने के लिए साजिषें रच रहा था और फिर सबसे विषेष मालेगांव व समझौता एक्सप्रेस जैसे बम धमाके करवाने व फिर उन सभी तमाम घटनओं में साधु -संतों को गिरफ्तार करने की साजिषें कौन रच रहा था।निष्चित रूप से उस समय कांग्रेस केंद्र की सत्ता में थी और महाराष्ट्र में कांग्रेस -एनसीपी की सरकार थी। जब यह घटना घटी थी उस समय महाराष्ट्र में एनसीपी के आर आर पाटिल गृहमंत्री थे और केंद्र में कांग्रेस के गृहमंत्री शिवराज पाटिल थे।

महाराष्ट्र के वर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कोर्ट का फैसला आने के बाद कहा कि भगवा आतंकवाद का झूठा नैरेटिव गढ़ने के लिए अब कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। भगवा आतांकवाद की थ्योरी का जन्मदाता एनसीपी नेता शरद पवार को ही माना जा रहा है और उनकी इस नीति को गृहमंत्री शिवराज पाटिल के बाद सुशील कुमार शिंदे, मध्यप्रदेश कांग्रेस के नेता दिग्विजय सिंह व कमलनाथ और फिर उसके बाद गृहमंत्री पी चिदम्बरम ने ही पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ाया। कोर्ट के फैसले से साफ हो गया है कि कुछ लोगां ने अपने निजी और राजनीतिक स्वार्थ के कारण भगवा आतंकवद के झूठे मुददे को अपनी विकृत राजनीति का हथियार बनाया और पूरे हिंदू समुदाय और हिंदू धर्म को आतंकावाद से जोडने की नाकाम कोषिष की गईं और अब इन सभी साजिषों की परत दर परत उखड़ने लग गई है।

इससे पूर्व समझौता एक्सप्रेस बम धमाके की साजिश रचने के आरोप में स्वामी असीमानंद महाराज भी बरी हो चुके हैं इस प्रकार यह दूसरा बड़ा अवसर है जब कांग्रेस की भगवा आतंकवाद की थ्योरी कोर्ट में ध्वस्त हे गई है। कोर्ट का फैसला आते ही हिंदू संगठनों में आनंद व उत्साह का वातावरण देखा गया तथा सभी ने पटाखे दागकर व एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर विजय का उत्सव मनाया।

कोर्ट की अहम टिप्पणियां-इस पूरे प्रकरण में अपने अंतिम फैसले में कई ऐतिहासिक व गंभीर टिप्णियां करते हुए कहाकि, आतंकवद का कोइ रंग या धर्म नहीं होता। कोर्ट ने माना है कि कई लोगों के बयान उन्हें प्रताड़ित करके लिए गये हैं।

कोर्ट का फैसला आने के बाद अब हिंदू संगठनों की ओर से पी. चिदम्बरम, दिग्विजय सिंह सहित उन सभी लोगों पर कार्यवाही करने की मांग की जा रही है जो सनातन को बदनाम करने के लिए भगवा आतंकवाद की झूठी साजिश रच रहे थे। निश्चय ही हिंदू आतंकवाद का नैरेटिव एक राजनैतिक साजिश है इसका उद्देश्य इस्लामा आतंकियों को खुश करना और वोट बैंक को महबूत करने रहना है। यही कारण है कि कांग्रेसराज में हिंदुओं को डराने-धमकाने के लिए बम धमाके होते रहते थे और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार भगवा आतंकवाद का झूठा नैरेटिव गढ़ा करती थी। आज पूरे भारत से कांग्रेस का सफाया हो रहा है। भगवा आतंकवाद के जनक तिलमिलाए हुए हैं। यही कारण है कि जब आज सरकार आतंकी ठिकानों पर चुन-चुनकर कार्यवाही करती है तब सेना व सराकर से यह विरोधी दल सबूत मांगने लगते हैं। अब होने लगे खतरनाक खुलासे मालेगांव पर कोर्ट का फैसला आने के बाद उस समय रची गई साजिश भी बेनकाब होने लगी है और पूर्व अधिकारी तक टीवी चैनलों पर आकर हिंदू धर्म को बदनाम करने के लिए रची गई खुलासा करने लगे हैं। उस समय इस मामले में संघ के कुछ बड़े नेताओं को भी फंसाने की मंशा थीं जिसमें इंद्रेश कुमार का नाम सबसे चर्चित था।

मालेगांव विस्फोट कांड की जांच करने वाली टीम के एक सदस्य मकहबूब मुजावर ने खुलासा किया है कि उस समय एनआईए के एक अधिकारी ने वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत को गिरफ्तार करने के लिए बहुत बड़ा दबाव बनाया था। अंततः उन्हें अपनी नौकरी से भी समय पूर्व ही हाथ धोना पड़ गया था। मुजावर कहते हैं कि रामजी कालसंगरा और संदीप डांगे की जगह साध्वी प्रज्ञा ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित का नाम डालकर एक फर्जी जांच शुरू की गई। उन्होंने कहाकि एक "गलत व्यक्ति" के द्वारा की गई गलत जांच का परिणम आज सामने आ गया है।

इस मामले में तो यूपी के यशस्वी मुख्समंत्री योगी आदित्यनाथ को भी फंसाने की साजिश रची गई थी। वह तो भला हो कि इस पूरे झडे प्रकरण में सभी गवाह धीरे-धीरे मुकरते चले गये। महाराष्ट्र के मालेगांव में हुआ बम धमाका एक सुनियोजित राजनैतिक साजिश का एक बहुत ही बड़ा और घटिया हिस्सा था जो अब धीरे-धीरे ही सही लगातार बेनकाब होता जा रहा है और सेकुलर ताकतें भी उसी प्रकार से बेनकाब होती जा रही हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा संवाद के जरिये सामरिक संबंधों में हो गयी नई शुरूआत

**-नीरज कुमार दुबे**

> न्यूजीलैंड भले ही भौगोलिक रूप से भारत से दूर हो, परंतु दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्य, मुक्त और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें स्वाभाविक रणनीतिक साझेदार बनाते हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र, जो आज वैश्विक शक्ति संघर्ष का केंद्र बन चुका है, उसमें भारत की भूमिका एक प्रमुख स्थिर कारक के रूप में उभर रही है

**भारत** और न्यूजीलैंड के बीच गहराते रक्षा संबंध न केवल द्विपक्षीय सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र की उभरती भू-राजनीतिक चुनौतियों के संदर्भ में भी सामरिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक हैं। देखा जाये तो आज की वैश्विक व्यवस्था में, समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, साइबर खतरों और बहुपक्षीय सहयोग जैसे मुद्दों पर साझेदारी का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है।

न्यूजीलैंड भले ही भौगोलिक रूप से भारत से दूर हो, परंतु दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्य, मुक्त और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें स्वाभाविक रणनीतिक साझेदार बनाते हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र, जो आज वैश्विक शक्ति संघर्ष का केंद्र बन चुका है, उसमें भारत की भूमिका एक प्रमुख स्थिर कारक के रूप में उभर रही है। वहीं, न्यूजीलैंड अपनी शांतिपूर्ण, सहयोगात्मक नीति और समुद्री सुरक्षा में सक्रियता के कारण एक विश्वसनीय साझेदार है। इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए दोनों देशों के बीच समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम आपको बता दें कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुई प्रथम रक्षा रणनीतिक वार्ता इस बढ़ते सामरिक सहयोग का एक स्पष्ट संकेत है। प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, समुद्री सूचना साझा करना और बहुपक्षीय सहयोग के क्षेत्र में बातचीत ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को नई गति प्रदान की है। अतः यह कहा जा सकता है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा सहयोग केवल रणनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्षेत्रीय स्थिरता, वैश्विक सामंजस्य और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। भविष्य में यह सहयोग दोनों देशों के लिए सामरिक संतुलन और वैश्विक नेतृत्व के अवसरों को और सुदृढ़ कर सकता है।

हम आपको बता दें कि 05 अगस्त, 2025 को नई दिल्ली में भारत-न्यूजीलैंड रक्षा रणनीतिक वार्ता का पहला संस्करण आयोजित किया गया। यह न केवल दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उभरती सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में एक नए रणनीतिक तालमेल की शुरूआत भी मानी जा सकती है। इस संवाद की सह-अध्यक्षता भारत के रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) अमिताभ प्रसाद और न्यूजीलैंड रक्षा मंत्रालय की अंतरराष्ट्रीय शाखा की प्रमुख मिस कैथलीन पियर्स ने की।

वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा और रक्षा उद्योग में साझेदारी को सशक्त करने, बहुपक्षीय सहयोग के क्षेत्रों का विस्तार करने, ग्लोबल कॉमन्स (जैसे कि समुद्री क्षेत्र, साइबर स्पेस आदि) से संबंधित मुद्दों पर सामंजस्य बढ़ाने और White Shipping Information Exchange के माध्यम से सूचना साझा करने की प्रक्रिया को और मजबूत करने पर चर्चा की। इसके अलावा, भारत ने न्यूजीलैंड की CTF-150 (Combined Task Force-150) की सफल कमान संभालने के लिए सराहना की, जिसमें भारतीय नौसेना के पाँच जवान भी स्टाफ के रूप में तैनात थे। यह तथ्य दोनों देशों के बीच अंतर-संचालन और विश्वास का प्रतीक है। हम आपको याद दिला दें कि मार्च 2025 में दोनों देशों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके अंतर्गत यह संवाद स्थापित किया गया। इस MoU ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को औपचारिक और संस्थागत रूप प्रदान किया है।

देखा जाये तो यह वार्ता सिर्फ एक द्विपक्षीय चर्चा नहीं थी, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नवीन शक्ति संतुलन और साझी रणनीतियों के निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा है। भारत और न्यूजीलैंड दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्य, खुले समुद्री मार्गों की सुरक्षा, और कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था में विश्वास रखते हैं। हम आपको बता दें कि राजनयिक और रक्षा सहयोग के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक और खेल-विशेषकर क्रिकेट-के माध्यम से भी मजबूत संबंध हैं।

अगस्त 2024 में भारत के राष्ट्रपति की न्यूजीलैंड यात्रा और मार्च 2025 में दोनों प्रधानमंत्रियों की बैठक ने द्विपक्षीय रिश्तों को नई ऊँचाई दी है। बहरहाल, भारत-न्यूजीलैंड रक्षा रणनीतिक संवाद एक ऐसा मंच बनकर उभरा है, जो केवल सुरक्षा सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक नेतृत्व, क्षेत्रीय स्थिरता, और रणनीतिक लचीलापन की दिशा में भी मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है। यह संवाद दोनों देशों की साझा आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और वैश्विक जिम्मेदारियों का प्रमाण है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

## खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

# भारत को धमकी देकर छत से चिल्लाने लगे ट्रंप, पत्रकारों ने पूछा-राष्ट्रपति जी आप क्या कर रहे हैं?

**(एजेन्सी)।**

**भारत** ने पूरे अमेरिका में हड़कंप मचा रखा है। पीएम मोदी ने दादागिरी दिखा रहे ट्रंप और अमेरिका दोनों की हालत खराब कर रखी है। ट्रंप जितनी ऊंची आवाज में में धमकी दे रहे हैं। भारत उतनी ही शांति से अमेरिका को जवाब दे रहा है। नतीजा देखिए कि टेंशन में ट्रंप व्हाइट हाउस की छत पर चक्कर काट रहे हैं। भारत को धमकी देने के कुछ घंटों बाद ट्रंप को व्हाइट हाउस की छत पर टहलते देखा गया। व्हाइट हाउस के नीचे से पत्रकारों ने आवाज लगाकर पूछा कि राष्ट्रपति जी आप छत पर क्या कर रहे हैं? इसके जवाब में डोनाल्ड ट्रंप कई इशारे करने लगे। चिल्ला चिल्ला कर कुछ बातें बोलने लगे। ट्रंप ने व्हाइट हाउस की छत पर क्या इशारे कर रहे थे, ये बताने से पहले आप जरा जान ले कि ट्रंप की व्हाइट हाउस में कैसे बेइज्जती हुई है। इससे पहले व्हाइट हाउस के अंदर वाले पत्रकारों ने ट्रंप की भारत के सामने फजीहत करवा कर रख दी। पत्रकार ने ट्रंप से एक ऐसा सवाल पूछ लिया गया। जिसके बाद ट्रंप सन्नाटे में चले गए। ट्रंप उस सवाल का जवाब नहीं दे पाए। रिपोर्टर ने ट्रंप से पूछा कि भारत का कहना है कि अमेरिका रूस से यूरेनियम रसायन और उर्वरक आयात करता है, जबकि वो उनके ऊर्जा आयात की आलोचना करता है। इस पर आपकी प्रतिक्रिया क्या है? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि मुझे इसके बारे में पता नहीं है, मैं इसकी जानकारी लेकर आपसे बात करूंगा। डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को पत्रकारों को उस समय चौंका दिया जब वे अचानक व्हाइट हाउस की छत पर दिखाई दिए। उन्हें देखकर एक्साइटेड हुए पत्रकारों ने नीचे से ही पूछना शुरू कर दिया आप छत पर क्या कर रहे हैं? इसके जवाब में डोनाल्ड ट्रंप ने वहीं से चिल्लाकर कुछ कहा। बदले में कुछ पत्रकारों ने पूछा मिसाइल कहा आपने? फिर डोनाल्ड ट्रंप ने मजाकिया तरीके से हाथ से इशारे करके बताया कि वो मिसाइलें छोड़ने की तैयारी में हैं।

व्हाइट हाउस की ये घटना ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिका और रूस के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। परमाणु मिसाइलों पर यह टिप्पणी ट्रम्प की रूसी नेता दिमित्री मेदवेदेव के साथ तीखी बहस के बीच आई है। यह बहस तब शुरू हुई जब मेदवेदेव ने ट्रंप को रूस के प्रसिद्ध डेड हैंड के बारे में चेतावनी दी, जो शीत युद्ध काल की परमाणु हथियार प्रणाली का संदर्भ था। इस बहस के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने दो परमाणु पनडुब्बियों को रूस के करीब जाने का आदेश दिया है।

राष्ट्रपति पद संभालने के बाद, ट्रंप ने छत, चिमनी और फर्श पर सोने की परत चढ़ाकर ओवल ऑफिस की साज-सज्जा में बड़ा बदलाव किया है। अमेरिकी झंडों वाले दो 100 फुट ऊँचे ध्वजस्तंभ-एक उत्तरी लॉन पर और दूसरा दक्षिणी लॉन पर भी लगाए गए हैं।

# आरबीआई ने विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता खोलने के नियम में किए बदलाव

**(एजेन्सी)।**

**भारतीय** रिजर्व बैंक ने मंगलवार कोरुपये में वोस्ट्रो खाता खोलने से जुड़े नियमों बदलाव किया। इसके तहत बैंकों को अब बिना पूर्व अनुमति के विदेशी बैंकों के लिए विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते खोलने की अनुमति दी गयी है।

वोस्ट्रो खाता एक घरेलू बैंक द्वारा विदेशी बैंक के लिए खोला गया खाता है। यह खाता घरेलू बैंक की मुद्रा में होता है। रिजर्व बैंक जुलाई, 2022 में भारतीय रुपये में निर्यात/आयात के चालान, भुगतान और निपटान के लिए एक अतिरिक्त व्यवस्था लागू की थी। इस व्यवस्था के तहत, बैंकों को सीमापार व्यापार लेनदेन के निपटान के लिए रिजर्व बैंक की पूवार्नुमति से विदेशी बैंकों के विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता खोलने की अनुमति दी गई थी।

आरबीआई ने बयान में कहा, प्रक्रिया की समीक्षा के आधार पर, विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता खोलने के लिए आरबीआई की मंजूरी लेने की आवश्यकता को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है।

बैंक अब भारतीय रिजर्व बैंक से संपर्क किए बिना अन्य (विदेशी) बैंकों के विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता खोल सकते हैं। आरबीआई ने कहा कि इस बदलाव से ऐसे खाते खोलने की प्रक्रिया में काफी तेजी आएगी।

# मुकेश खन्ना ने शाहरुख खान का किया समर्थन

**(एजेन्सी)।**

**राष्ट्रीय** पुरस्कारों की हालिया घोषणा ने मनोरंजन जगत में खुशी की लहर दौड़ा दी। हालाँकि सभी की जीत का जश्न बड़े ही प्यार से मनाया जा रहा है, लेकिन शाहरुख खान की पहली जीत की खबर उनके प्रशंसकों के लिए एक अलग ही खुशी लेकर आई। हालाँकि, बधाई संदेशों के बीच, कुछ लोगों ने इस मुद्दे पर आपत्ति जताई, जिनमें दक्षिण भारतीय अभिनेत्री उर्वशी भी शामिल हैं। उर्वशी ने खुद 'उल्लोझुक्कू' में अपने काम के लिए 'सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री' का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। हालाँकि, जब शाहरुख की बड़ी जीत की बात आई, तो उन्होंने जूरी की निष्पक्षता और किंग खान के चयन के लिए इस्तेमाल किए गए मानदंडों पर सवाल उठाए। अब इस मामले पर अपनी राय देते हुए, 'शक्तिमान' फेम मुकेश खन्ना ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि यह कहना भी राजनीतिक है कि राष्ट्रीय पुरस्कार दक्षिण फिल्म उद्योग के किसी अभिनेता को दिया जाना चाहिए था।

33 साल दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद शाहरुख खान ने आखिरकार अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीत लिया है। हाल ही में, 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की गई। शाहरुख खान ने एटली की फिल्म 'जवान' में अपनी भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता। तब से सोशल मीडिया पर यह बहस छिड़ी हुई है कि शाहरुख खान को अपनी फिल्म 'स्वदेश' के लिए बहुत पहले ही राष्ट्रीय पुरस्कार मिल जाना चाहिए था। अब, 'शक्तिमान' अभिनेता मुकेश खन्ना शाहरुख खान और उनकी राष्ट्रीय पुरस्कार जीत का पुरजोर बचाव करते हुए सामने आए हैं। मुकेश खन्ना ने कहा, "जो लोग कह रहे हैं कि शाहरुख खान को इस फिल्म (जवान) के लिए नहीं, बल्कि स्वदेश के लिए पुरस्कार मिलना चाहिए था-याद रखें कि ए आर रहमान को 'जय हो' के लिए ऑस्कर मिला था, न कि उनके द्वारा पहले बनाए गए कई खूबसूरत गानों के लिए।" उन्होंने आगे कहा, "शाहरुख पिछले 40 सालों से कड़ी मेहनत कर रहे हैं-तो अगर उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है तो इसमें क्या गलत है?"

मुकेश खन्ना की यह प्रतिक्रिया अभिनेत्री उर्वशी द्वारा जूरी के फैसले पर सवाल उठाने के कुछ दिनों बाद आई है, जिन्होंने 'उल्लोझुक्कू' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार जीता था।

शाहरुख खान ने अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो संदेश साझा किया और कहा कि यह पुरस्कार उन्हें और बेहतर करने की याद दिलाता है। शाहरुख खान ने कहा "राष्ट्रीय पुरस्कार सिर्फ. उपलब्धि के बारे में नहीं है। यह मुझे याद दिलाता है कि मैं जो करता हूँ वह मायने रखता है। यह मुझे आगे बढ़ते रहने, कड़ी मेहनत करते रहने, रचना करते रहने और सिनेमा की सेवा करते रहने के लिए प्रेरित करता है। शोर से भरी इस दुनिया में, सुना जाना-सचमुच सुना जाना-एक आशीर्वाद है।"

उन्होंने अंत में कहा "और मैं वादा करता हूँ कि इस सम्मान का उपयोग अंतिम लक्ष्य के रूप में नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास, सीखने और जीवन देने के लिए ईंधन के रूप में करूँगा। यह पुरस्कार मुझे याद दिलाता है कि अभिनय सिर्फ. काम नहीं है, यह एक ज़िम्मेदारी है। पर्दे पर सच्चाई दिखाना एक ज़िम्मेदारी है।

# नाओमी ओसाका का बेहतरीन प्रदर्शन

**(एजेन्सी)।**

**दुनिया** की पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी नाओमी ओसाका पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 एलीना स्वितोलिना को हराकर कनाडियन ओपन के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ओसाका ने इस दौरान स्वितोलिना को 6-2. 6-2 से हराकर WTA 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इस जीत के साथ ही उनकी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। अब वह WTA रैंकिंग में 51 से ठीक 29वें स्थान पर आ गई हैं, और टाइटल जीतने पर नंबर 21 तक जा सकती है।

बता दें कि, आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में डब्ल्यूटीए टूर का खिताब जीतने वाली ओसाका ने 10वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट बचाए और क्वार्टरफाइनल मुकाबला सिर्फ एक घंटे आठ मिनट में जीत लिया। वहीं यह ओसाका की स्वितोलिना के खिलाफ आठ मुकाबलों में पांचवीं जीत थी और इस जीत के साथ 27 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची है।

वहीं अब ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा। टॉसन ने क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को 6-1, 6-4 से हराया। इस तरह से ओसाका ने 2022 में मियामी में फाइनल में पहुंचने के बाद से किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा। जापान की मूल निवासी ये खिलाड़ी अपने करियर का आठवां और 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद पहला खिलाब जीतने की कोशिश में हैं। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको दूसरे सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी।

# संजू सैमसन छोड़ेंगे राजस्थान रॉयल्स का साथ?

**(एजेन्सी)।** हाल ही में संजू सैमसन को लेकर कहा जा रहा था कि, वह अगले आईपीएल 2026 सीजन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स का थामन थाम सकते हैं।




हालांकि, अब कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, संजू इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में अपनी फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स का साथ नहीं छोड़ेंगे।

दरअसल, कहा जा रहा था कि, संजू सैमसन आईपीएल के नए सीजन के लिए सीएसके या केकेआर के साथ जा सकते हैं। लेकिन अब टाइम्स ऑफ इंडिया ने एक सूत्र के हवाले से कहा है कि, राजस्थान रॉयल्स ने फिलहाल सैमसन या अपने किसी भी अन्य खिलाड़ी को ट्रेड नहीं करने का फैसला किया है। सैमसन रॉयल्स टीम का अभिन्न अंग हैं और टीम के निर्विवाद कप्तान भी हैं। 30 वर्षीय संजू सैमसन का आरआर के साथ एक दशक से भी पुराना रिश्ता है। इस खिलाड़ी ने 2013 में पहली बार राजस्थान का हाथ थामा था और 2016 और 2017 सीजन को छोड़कर तब से वह आरआर के साथ हैं।

वहीं आईपीएल 2025 में सैमसन ने 9 पारियों में 35.62 की औसत और 140.39 की स्ट्राइक रेट से 285 रन बनाए। इस बीच उनके बल्ले से 1 अर्धशतक भी निकला था। आईपीएल 2024 में उन्होंने 16 मैच में 531 रन बनाए थे।

# जेल लोक अदालत आयोजित, 12 मामलों का हुआ निपटारा

## 10 बंदियों को शर्तों के आधार पर मिली रिहाई

**एसबी विशेष संवाददाता**

**करनाल।** जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में बुधवार को जिला कारागार, करनाल में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह लोक अदालत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित की गई।

लोक अदालत की अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन ने की। उन्होंने जेल में लंबित 14 मामलों में से 12 का सफलतापूर्वक निपटारा किया। इनमें से 10 बंदियों को आवश्यक शर्तों के तहत रिहाई दी गई। इस अवसर पर डॉ. इरम हसन ने कहा कि लोक अदालतों के माध्यम से न्यायिक प्रक्रिया को सरल, त्वरित और किफायती बनाया जा रहा है, जिससे न्याय सुलभ हो सके। उन्होंने बताया कि जिला कारागार में प्रत्येक माह के पहले और तीसरे बुधवार को जेल लोक अदालत का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है, जिससे जेलों में विचाराधीन मामलों का शीघ्र समाधान हो सके।

लोक अदालत के दौरान जेल प्रशासन और विधिक सेवा प्राधिकरण के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

# निगदू के स्कूल में क्षत्रिय समाज ने दिया हरियाली का संदेश, किया पौधारोपण

## 'पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से बढ़ रहा संकट, बच्चों को करें प्रेरित'

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** क्षत्रिय राजा रोड़ समाज संस्था की ओर से रविवार को गीता विद्या मंदिर स्कूल, निगदू (करनाल) में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणबीर लाठर ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते पृथ्वी का तापमान बढ़ता जा रहा है और वर्षा कम होती जा रही है, जिसका मुख्य कारण पेड़ों की कटाई और कंक्रीट के जंगलों का फैलाव है।

रणबीर लाठर ने कहा कि यदि समय रहते इस स्थिति को नहीं संभाला गया, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भी गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए आज जरूरत है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलें और अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं। संस्था के सचिव राजेश लाठर ने कहा कि बच्चों को शुरू से ही पौधे लगाने की आदत डालनी चाहिए। जिस प्रकार एक बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, वैसे ही वह लगाया गया पौधा भी एक दिन विशाल वृक्ष बनेगा। उन्होंने कहा कि पेड़ काटने से पहले उसकी जगह एक नया पौधा जरूर लगाना चाहिए।

राजेश लाठर ने यह भी बताया कि क्षत्रिय राजा रोड़ समाज संस्था सामाजिक जिम्मेदारी के तहत नियमित रूप से इस तरह के पौधारोपण अभियान चलाती है। आने वाले समय में वन विभाग के सहयोग से सरकारी स्कूलों और नगर क्षेत्र में विशेष हरियाली अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम में समाजसेवी बलराज कारसा, विद्यालय स्टाफ, छात्र-छात्राएं और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

# विजीलैंस ब्यूरो ने जायदाद रजिस्ट्री घोटाले में राजस्व अधिकारियों और एजेंटों के गठजोड़ का किया पर्दाफाश

**एसबी संवाददाता**

**चंडीगढ़।** पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही अपनी मुहिम के दौरान आज सविन्दर सिंह रजिस्ट्री क्लर्क भिखीविंड जिला तरन तारन और मलकीत सिंह डीड राईटर भिखीविंड जिला तरन तारन को 37000 रुपए रिश्वत लेने के दोष में गिरफ़्तार किया।

यहाँ यह खुलासा करते हुये राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने कहा कि मुलजिम ने शिकायतकर्ता गुरभेज सिंह निवासी गाँव भिखीविंड जिला तरन तारन से रिश्वत माँगी थी। शिकायतकर्ता गुरभेज सिंह ने बताया कि उसकी पुश्तैनी जमीन के विभाजन के दौरान उसकी 2 कनाल और 2 मरले कृषि योग्य जमीन गलती से उसके रिश्तेदारों को तबदील कर दी गई थी। उसने अप्रैल 2025 में सरकारी खजाने में फीसों की अदायगी सहित सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं।

सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने और जरूरी स्टैंप पेपर प्राप्त करने के बावजूद वह अपनी जमीन की रजिस्ट्री करवाने में असफल रहा। प्रवक्ता ने आगे बताया कि उक्त जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम पर करवाने के लिए उसने मलकीत सिंह डीड राईटर भिखीविंड जिला तरन तारन के साथ संपर्क किया।

शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि मलकीत सिंह ने जानबुझ कर उक्त रजिस्ट्री के लिए तहसीलदार भिखीविंड से उसकी 24. 04. 2025 की अपायंटमैंट रद्द करवाई। पूछताछ करने पर पता लगा कि रजिस्ट्री क्लर्क सविन्दर सिंह उस केस की प्रक्रिया के लिए 32,000 रुपए रिश्वत माँग रहा था। शिकायतकर्ता अपने जायज काम के लिए रिश्वत नहीं देना चाहता था। इसलिए विजीलैंस ब्यूरो द्वारा ऐसे भ्रष्ट अधिकारी को काबू करने के लिए शिकायतकर्ता गुरभेज सिंह ने इस मामले की रिपोर्ट डीएसपी वी. बी. यूनिट तरन तारन को दी।

शिकायतकर्ता का बयान विजीलैंस ब्यूरो, यूनिट तरन तारन में दर्ज किया गया। इसके बाद दोषी को सरकारी गवाह की हाजिरी में 37,000 रुपए लेते हुए रँगे हाथों पकड़ लिया गया और उक्त दोषी के विरुद्ध पी. सी. कानून 1988 की धारा 7, 7-ए के अंतर्गत पुलिस थाना विजीलैंस ब्यूरो, रेंज अमृतसर में पी. सी. (संशोधन) कानून द्वारा एफ. आई. आर. दर्ज कर ली गई। मामले की आगे जांच जारी है। गिरफ़्तार किये गए दोनों दोषियों को कल समर्थ अदालत में पेश किया जायेगा।

# सीजेएम ने किया सेफ हाउस, नारी निकेतन, वन स्टॉप सेंटर व नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण

## महिलाओं और नवविवाहित जोड़ों से की बातचीत, सुविधाओं का लिया जायजा

**एसबी विशेष संवाददाता**

**करनाल।** जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन ने बुधवार को करनाल स्थित सेफ हाउस, नारी निकेतन, वन स्टॉप सेंटर और नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सीजेएम डॉ. इरम हसन ने सेफ हाउस में रह रहे 8 नवविवाहित जोड़ों से मुलाकात कर उन्हें उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और उनके अनुभव साझा किए। उन्होंने उनकी सुरक्षा, रहन-सहन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इसके पश्चात उन्होंने नारी निकेतन और वन स्टॉप सेंटर का दौरा कर वहां उपस्थित महिलाओं से संवाद किया। महिलाओं ने अपनी समस्याएं साझा कीं, जिन पर सीजेएम ने मौके पर समाधान सुझाए और उन्हें उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी।

सीजेएम ने नागरिक अस्पताल स्थित नशा मुक्ति केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने नशा पीड़ितों और उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने सभी को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर संबंधित केंद्रों के स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे। सीजेएम ने इन संस्थानों की कार्यप्रणाली की सराहना की और जरूरतमंदों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

# स्वास्थ्य मंत्री डा. बलबीर सिंह ने मिलावटखोरी के विरुद्ध दी चेतावनी, कहा 5 सालों में 145 दोषियों को हुई सजा

**एसबी संवाददाता**

**चंडीगढ़।** राज्य के लोगों को सुरक्षित और सेहतमंद भोजन यकीनी बनाने के मद्देनजर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की वचनबद्धता को दोहराते हुये स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डा. बलबीर सिंह ने बुधवार को लोगों को फूड सेफ्टी ऑन व्हीलज पहलकदमी, जिसका अब सभी जिलों में विस्तार किया गया है, का अधिकतम लाभ लेने के लिए अपील की।

जिक्रयोग्य है कि फूड सेफ्टी ऑन व्हीलज मोबाइल फूड टेस्टिंग वैनें हैं, जो दूध, पनीर, पानी और अन्य रोजमर्रा के प्रयोग वाली चीजें समेत भोजन की प्रमुख श्रेणियों में मिलावट की जांच करने के लिए लैस हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह वैनें भोजन मिलावट के विरुद्ध हमारी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण साधन हैं-मैं हरेक व्यक्ति को अपने भोजन की जांच करवाने की अपील करता हूँ। स्वास्थ्य मंत्री यहाँ पंजाब भवन में इफ इट्स नोट सेफ, इट्स नोट फूड के सलोगन वाली प्रैस कान्फ्रेंस को संबोधन कर रहे थे। उनके साथ प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) कुमार राहुल, कमिशनर फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, पंजाब दिलराज सिंह, डायरैक्टर लैबज रवनीत कौर और संयुक्त कमिशनर फूड सेफ्टी डा. अमित जोशी भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के सत्ता में आने के बाद, विभाग की तरफ से कुल 18,559 इनफोरसमैंट सैंपल और 12,178 निगरानी सैंपल लिए गए हैं। इसके इलावा, फूड सेफ्टी ऑन व्हीलज पर मिलावटखोरी के लिए अब तक 13,000 से अधिक नमूनों की जांच की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्य श्रेणियों में पनीर, घी, दूध, मसाले, फल और सब्जियाँ, मिठाईयां, खोया आदि शामिल हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डा. बलबीर सिंह ने एफ.डी.ए. अधिकारियों को इन फूड सेफ्टी वैनों की पूरी क्षमता के साथ प्रयोग करने और लोगों खास कर विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने के निर्देश दिए, इसके साथ ही उनको पारदर्शी ढंग के साथ काम करने और विभाग की सभी नीतियों को लगन के साथ लागू करने के लिए कहा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सिर्फ.शुद्ध अन्न से ही शुद्ध मन और स्वस्थ तन संभव है। उन्होंने दोहराया कि भोजन में मिलावटखोरी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और ऐसी गतिविधियों में शामिल पाये जाने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध सख़्त कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया कि माननीय अदालत ने पिछले पाँच सालों में मिलावटखोरी के 145 मामलों में छह महीने तक की कैद और जुमार्ने की सजा सुनाई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी बताया कि अब तक फूड बिजनस आपरेटरों को कुल 3.17 लाख लायसेंस और रजिस्ट्रेशन जारी किये गए हैं और उन्होंने स्ट्रीट फूड वैंडरों समेत सभी ऐफबीओज को फूड एंड ड्रग्गज एडमिनिस्ट्रेशन के अधीन अपने आप को रजिस्टर करने की अपील की। उन्होंने संतुलित खुराक और बेहतर खुराक विकल्पों की जरूरत पर भी जोर दिया और एफ.डी.ए. को पोषण और सरकारी स्वास्थ्य पहलकदमियों के बारे जन शिक्षा मुहिमों को तेज करने की अपील की। उन्होंने पंजाबियों को सही खाओ, सेहतमंद रहो पहुँच अपनाने और एक सेहतमंद और पोषण पक्ष से सुरक्षित पंजाब के सृजन में योगदान डालने की अपील की।

# खाद्य एवं सिविल सप्लाई मंत्री लाल चंद कटारूचक ने गैस एजेंसियों पर अचानक छापा मारा

**संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा**

**चंडीगढ़/फतेहगढ़ साहिब।** पंजाब के फूड एवं सिविल सप्लाई मंत्री लाल चंद कटारूचक ने आज सरहिंद में विभिन्न गैस एजेंसियों और गोदामों पर अचानक छापा मारा, जिसके दौरान वजन तराजू में खामियां पाए जाने पर गंभीर संज्ञान लिया। उन्होंने कहा कि यह गैस उपभोक्ताओं का वित्तीय शोषण है और पंजाब सरकार किसी भी तरह के भ्रष्टाचार को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेगी।

कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने सख्त दिशा-निर्देश दिए हैं कि गैस एजेंसियों में गैस उपभोक्ताओं को किसी भी स्तर पर होने वाली असुविधा या वित्तीय शोषण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि कोई गैस एजेंसी मालिक या कर्मचारी ऐसा करते हुए पाया जाता है, तो उसके खिलाफ नियमों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

जांच के दौरान, कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक ने इस बात का गंभीर संज्ञान लिया कि कुछ गैस एजेंसियां गैस सिलेंडरों के वजन तराजू से संबंधित नियमों की अनदेखी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह के शोषण को सख्ती से रोकने के लिए संबंधित गैस एजेंसियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने डी.एफ.एस.सी को निर्देश दिया कि नियमों का पालन न करने वाली गैस एजेंसियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की जाए और इसमें किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कैबिनेट मंत्री ने गैस उपभोक्ताओं से भी अपील की कि वे घरों में गैस की आपूर्ति लेते समय अपनी उपस्थिति में गैस सिलेंडरों का वजन कराएं ताकि कोई भी व्यक्ति हेराफेरी या भ्रष्टाचार न कर सके। उन्होंने कहा कि गैस की सप्लाई करने वालों के लिए तराजू साथ रखना अनिवार्य है, लेकिन कई जगहों पर यह देखा गया है कि गैस की आपूर्ति करने वाले वाहनों में तराजू नहीं रखा जाता है, जो निदेर्शों का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर वजन तराजू रखे पाए गए हैं, लेकिन ये तराजू सरकारी तौर पर अधिकृत नहीं हैं।

जांच के दौरान, उन्होंने मौके पर ही विभिन्न गैस सिलेंडरों का वजन चैक करवाया और मौके पर मौजूद गैस उपभोक्ताओं से एजेंसियों की कार्यप्रणाली और व्यवहार के बारे में भी प्रतिक्रिया ली। इस मौके पर मनोहर सिंह कंट्रोलर मुख्यालय और डी.एफ.एस.सी मीनाक्षी भी मौजूद थीं।


## आवश्यक सूचना

**तेजी** से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

**संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली**
**वाटसेप नम्बर: 9871221635**


# राज्यभर में बाढ़ कंट्रोल रूम दिन-रात कार्यशील, एमरजैंसी रिस्पांस टीमें मुस्तैद: बरिन्दर कुमार गोयल

**संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा**

**चंडीगढ़।** पंजाब के जल स्रोत मंत्री बरिन्दर कुमार गोयल ने कहा कि पंजाब किसी भी बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पहाड़ी क्षेत्रों में हुई भारी बारिश के बाद किसी भी एमरजैंसी के साथ निपटने के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम मुकम्मल तौर पर कार्यशील हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए ठोस बाढ़ रोकथाम उपाय और व्यापक तैयारियों सम्बन्धी प्रोटोकोल लागू किये हैं और राज्य भर में बाढ़ सुरक्षा बुनियादी ढांचा और एमरजैंसी रिस्पांस प्रणालियों को लागू किया गया है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि राज्य भर में कंट्रोल रूम सक्रिय हैं, एमरजैंसी रिस्पांस टीमें अलर्ट पर हैं और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में दरियाओं और ड्रेनेज प्रणालियों की निरंतर वास्तविक-समय की निगरानी की जा रही है। एमरजैंसी हालातों में तुरंत प्रतिक्रिया को यकीनी बनाने के लिए बाढ़ सम्बन्धी भविष्यवाणी के लिए उन्नत प्रणालियां और आगामी चेतावनी विधियां लागू की गई हैं। बाढ़ की स्थिति में तुरंत तालमेल के लिए जूनियर इंजीनियर-स्तर के अधिकारियों की निगरानी में जिला-स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किये गए हैं।

कंट्रोल रूमों के बारे जानकारी देते हुये कैबिनेट मंत्री ने बताया कि जिला रोपड़ का कंट्रोल रूम नंबर 01881- 221157 है जबकि गुरदासपुर कंट्रोल रूम नं. 01874-266376 और 18001801852, पठानकोट कंट्रोल रूम नं. 01862-346944, अमृतसर कंट्रोल रूम नं. 01832-229125, तरन तारन कंट्रोल रूम नं. 01852-224107, होशियारपुर कंट्रोल रूम नं. 01882-220412, लुधियाना कंट्रोल रूम नं. 0161-2520232, जालंधर कंट्रोल रूम नं. 0181-2224417 और 94176-57802, एस.बी.एस नगर कंट्रोल रूम नं. 01823-220645, मानसा कंट्रोल रूम नं. 01652-229082, संगरूर कंट्रोल रूम नं. 01672-234196, पटियाला कंट्रोल रूम नं. 0175-2350550 और 2358550, मोहाली कंट्रोल रूम नं. 0172-2219506, श्री मुक्तसर साहिब कंट्रोल रूम नं. 01633-260341, फरीदकोट कंट्रोल रूम नं. 01639-250338, फाजिल्का कंट्रोल रूम नं. 01638-262153 और 01638-260555, फिरोजपुर कंट्रोल रूम नं. 01632- 245366, बरनाला कंट्रोल रूम नं. 01679-233031, बठिंडा बाढ़ कंट्रोल रूम नं. 0164-2862100 और 0164-2862101, कपूरथला कंट्रोल रूम नं. 01822-231990, फतेहगढ़ साहिब बाढ़ कंट्रोल रूम नं. 01763-232838, मोगा बाढ़ कंट्रोल रूम नं. 01636-235206 और जिला मलेरकोटला के लिए बाढ़ कंट्रोल रूम नं. 01675- 252003 स्थापित किये गए हैं।

जल भंडारों में पानी के स्तर के बारे जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रमुख डैमों में मौजूदा पानी का स्तर सुरक्षित मापदण्डों के अंदर है। उन्होंने बताया कि भाखड़ा डैम में पानी का स्तर 1637.40 फुट है, जबकि इसकी अधिकतम क्षमता 1680 फुट है। इसी तरह 1390 फुट की अधिकतम क्षमता वाले पौंग डैम में पानी का स्तर 1373.08 फुट है और 1731.55 फुट की अधिकतम क्षमता वाले रणजीत सागर डैम में पानी का स्तर 1694.64 फुट है।

उन्होंने कहा कि जल स्रोत विभाग ने व्यापक बाढ़ रोकथाम रणनीतियां लागू की हैं, जिसमें 4766 किलोमीटर लम्बे ड्रेनों और जलमार्गों की सफाई और गार निकालना, बाँध मजबूती प्रोजेक्टों को मुकम्मल करना, बाढ़ रोकथाम के लिए 8.76 लाख रेत की बोरियों की खरीद की गई है जिसमें से 3.24 लाख रेत से भरी बोरियाँ पहले ही संभावित स्थानों के लिए उपलब्ध हैं और आपात स्थितियों के दौरान तेजी से रेत की बोरियों वाले स्थानों की शिनाख़्त के लिए इन स्थानों को भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी.आई.एस) के साथ जोड़ा गया है।

उन्होंने बताया कि एमरजैंसी रिस्पांस प्रोटोकोल में संवेदनशील स्थानों पर 24 घंटे निगरानी, जल स्रोत विभाग के अधिकारियों की तरफ से निरंतर निरीक्षण, रोजमर्रा के हैडक्वाटर को स्थिति रिपोर्टें जमा करवाना और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एमरजैंसी निकासी योजनाओं को सक्रिय करना शामिल है। डिप्टी कमीशनरों और सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को जल स्रोत विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के साथ उचित तालमेल करके 24 घंटे चौकसी बनाई रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने दरिया के किनारों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के नजदीक रहने वाले लोगों से अपील की कि वे भारी बारिश के दौरान चौकस रहें और एमरजैंसी सहायता के लिए तुरंत कंट्रोल रूमों के साथ संपर्क करें, जरूरत पड़ने पर अधिकारियों द्वारा जारी किये जाने वाले आदेशों की पालना करें और पानी से भरे क्षेत्रों में जाने से गुरेज करें।

कैबिनेट मंत्री ने भरोसा दिया कि पंजाब सरकार बाढ़ से सम्बन्धित तैयारियों सहित किसी भी बाढ़ जैसी स्थिति को प्रभावशाली ढंग से निपटने और मुस्तैद बाढ़ प्रबंधन व तेज एमरजैंसी रिस्पांस विधियों के द्वारा जान-माल के संभावित नुक्सान को घटाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

# तिरंगा हमारे देश की आन-बान और शान: एडीसी दीपक बाबूलाल करवा

## अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि देने और आमजन में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने के लिए चलाया जा रहा है हर घर तिरंगा अभियान

संजना भारती संवाददाता

**कैथल।** हर घर तिरंगा अभियान के तहत पीएनबी बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान ग्योंग में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें तिरंगा राखी एवं रंगोली बनाओ तथा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रशिक्षणार्थियों व आरोही स्कूल के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाने के साथ तिरंगे की गौरव गाथा भी सुनाई। विद्यार्थियों द्वारा एडीसी सहित अन्य अधिकारियों की कलाई पर राखी बांधी गई।

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि आज हम भाई-बहनों के पवित्र रिश्ते का जश्न मना रहे हैं और इसके साथ ही, हम अपने देश की आन-बान शान तिरंगे का सम्मान भी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि देने और

आमजन में देशभक्ति की भावना को प्रबल एवं मजबूत करने के लिए हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान में सभी बढ़चढ़ कर भाग लें। उन्होंने कहा कि आजादी की जंग में देश के लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद करने की एक अनूठी पहल है। आज तिरंगा झंडे की धूम विश्व पटल पर छाई हुई है। हमारा नैतिक और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य है कि तिरंगा झंडे का पूरा सम्मान करें। हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने घरों पर तिरंगा जरूर फहराएं। यह अभियान 15 अगस्त तक तीन चरणों में चलाया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई राखियों और रंगोली की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और कला का उपयोग करके ऐसी राखियां बनाई, जो हमारे तिरंगे के रंग में रंगी हैं। यह प्रतियोगिता न केवल कला का प्रदर्शन है, बल्कि यह देशप्रेम और भाई-बहनों के प्यार का एक अद्भुत संगम भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान पौधा रोपण किया और पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है, जिसकी वजह से अत्यधिक गर्मी और अत्यधिक सर्दी का सामना करना पड़ता है। इसलिए पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए पौधा रोपण करना बहुत जरूर है। पर्यावरण अच्छा होगा तो हम बीमार नहीं पड़ेंगे। सभी विद्यार्थी अपनी अपनी मां जो हमें पैदा करती हैं और हमारी परवरिश करती हैं उनके सम्मान में पौधे जरूर लगाएं।

इस अवसर पर एलडीएम एसके नंदा, मुख्य प्रबंधक मैन ब्रांच कैथल अनिल रहेजा, सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी अमित कौशिक, प्रवेश मोर, जितेंद्र, पुष्पा, रवि व विनय सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

# खेलों से होता है बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास: सुखपाल सिंह मान

## खेलकूद प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया शानदार प्रदर्शन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

**असन्ध।** डीएवी संस्थान द्वारा डीएवी क्लस्टर लेवल स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का आयोजन करवाया जा रहा है। इसी टूर्नामेंट के तहत डीएवी पब्लिक स्कूल कैथल में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल असंध के खिलाड़ियों अंकित पंवार ने सिंगल में तथा वर्णित मलिक व भव्य प्रताप ने डबल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

अंडर-14 लड़कियों की 500 मीटर रेस में अवनी मलिक ने प्रथम, आकृति ने रिले रेस व 200 मीटर रेस में क्रमश दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया। अंडर-17 लड़कियों की रिले रेस तथा लॉन्ग जंप में मुस्कान ने क्रमश प्रथम व तीसरा स्थान तथा नेहा 800 मीटर रेस में तीसरा स्थान हासिल किया।

अंडर-19 लड़कियों की 400 मीटर व 100 मीटर रेस में वंशिका ने क्रमश प्रथम व द्वितीय स्थान हासिल किया। प्राची ने हाई जंप व 800 मीटर रेस में क्रमश पहला व दूसरा, रौनक ने 1500 मीटर रेस व रिले रेस में क्रमश दूसरा व तृतीय तथा जानवी ने शॉट पुट व डिस्कस थ्रो में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 लड़कों की 100 मीटर रेस में महकदीप ने प्रथम स्थान और अंडर-17 लड़कों की डिस्कस व रिले रेस में करण ने क्रमश दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया। स्कूल में पहुंचने पर विजेता खिलाड़ियों का प्रधानाचार्य सुखपाल सिंह मान ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि खेलों से बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है। खेलकूद का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। बच्चों को खेलों में भी बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए।

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने बच्चों, खेल विभाग के अध्यापक साहब सिंह तथा अध्यापिका ममता को बधाई दी। प्रधानाचार्य ने भविष्य में भी परिश्रम के साथ आगे बढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित किया और शुभकामनाएं दी।

# खंड राजौंद के स्कूल विद्यार्थियों की खेल प्रतियोगिता का रोहेड़ा स्टेडियम में आयोजन का दूसरा दिन रहा शानदार

## रा सी सै स्कूल राजौंद मिशन बुनियाद विद्यार्थी आदित्य, अंडर 17, शतरंज में रहा प्रथम

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

**राजौंद।** खंड राजौंद के स्कूल लेवल खेलों का आयोजन निकटवर्ती गांव रोहेड़ा के खेल स्टेडियम में किया जा रहा है। विद्यार्थी खेलों में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। अंडर 14 लड़के अंडर 17 लड़के एवं अंडर-19 लड़कों की खेल प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें खंड राजौंद विभिन्न सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों के 600 के लगभग खिलाड़ियों ने भाग लिया। खंड नोडल अधिकारी सोहन पाल ने बताया कि आज की प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्न प्रकार से रहे।

**शतरंज:** खंड स्तरीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन शतरंज अंडर 14 लड़के- दिग्विजय प्रताप प्रथम, यश चहल द्वितीय,

अंडर 17 लड़के मिशन बुनियाद राजकीय सी सै स्कूल राजौंद नौवीं का छात्र आदित्य कुमार शर्मा नीमवाला प्रथम, यश द्वितीय,

**अंदर-19 लड़के:** लविश प्रथम, लक्ष्य द्वितीय।

**फुटबॉल:** फुटबॉल अंडर 14 लड़के गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहरदा की टीम प्रथम रही। अंडर 17 लड़के जीएचएस तारागढ़ की टीम प्रथम

अंडर 17 लड़के मिशन बुनियाद राजकीय सी सै स्कूल राजौंद नौवीं का छात्र आदित्य कुमार शर्मा नीमवाला प्रथम। (छाया: एसबी)

खंड राजौंद के रोहेडा स्टेडियम में स्कूल स्तरीय खेलों का सफल आयोजन। (छाया: एसबी)

रही। अंडर-19 लड़के गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेरदा प्रथम रही।

**खो-खो:** खो-खो अंडर 14 लड़के एसडीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजौंद प्रथम, अंडर 17 लड़के एसडीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजौंद प्रथम, अंडर-19 लड़के न्यू टैगोर पब्लिक स्कूल किठाना प्रथम रहे।

**कबड्डी:** कबड्डी अंदर 17 लड़के गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल रोहेड़ा प्रथम न्यू टैगोर पब्लिक स्कूल द्वितीय स्थान पर रहा।

सोहन पाल ने बताया कि इस अवसर पर वीरेंद्र देओल प्रिंसिपल गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल रोहड़ा, राजेंद्र पीजीटी रोहड़ा, अमित कुमार पीजीटी हिस्ट्री, सुरेंद्र शास्त्री कसान एवं खंड राजौंद के सभी स्कूलों के पीटीआई एवं डीपीई आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी राजौंद बलबीर सिंह कश्यप ने विद्यार्थियों के नाम भेजे अपने संदेश में कहां की विद्यार्थी नशे पत्ते से दूर रहे। खेल को खेल की भावना से खेलें। हरियाणा सरकार व शिक्षा विभाग स्कूल लेवल खेलो में विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रयास कर रहे है विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है। जो बच्चे खेल में पीछे रह गए हैं उनके लिए भी खंड शिक्षा अधिकारी ने संदेश में कहा कि हार जीत जीवन का एक पहलू है। अगले वर्ष फिर से अच्छी तैयारी करके आए व अपने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करें।

खेलों के सफल आयोजन के लिए उन्होंने सभी खेल आयोजको, नोडल अधिकारी, सभी स्कूल मुखिया, डीपी, पीटीआई, कोच, ग्राम सरपंच, ग्राम सभा, अभिभावकों को शुभकामनाएं दी है।

# पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़-पौधे लगाना अति आवश्यक: हरप्रीत सिंह विर्क

संजना भारती संवाददाता

**असंध।** पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़-पौधे लगाना अति आवश्यक है। हम सभी को पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना भी बेहद जरूरी है। अक्सर देखभाल न होने के कारण पौधे विकसित नहीं हो पाते। उपरोक्त विचार डायरेक्टर हरप्रीत सिंह विर्क ने दी करनाल केन्द्रीय सहकारी बैंक शाखा ठरी के प्रांगण में पौधारोपण करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का अभिन्न अंग है, इनसे हमें जहां आक्सीजन मिलती है वहीं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी पेड़-पौधों का अहम योगदान होता है। प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में एक पौधा लगाकर उसकी पेड़ बनने तक देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़ पौधों का होना बेहद जरूरी है।

इस अवसर पर ब्रांच मैनेजर नरेश नरवाल, पैक्स प्रबंधक सुशील राणा, सुनील धानिया, संदीप टूर्ण, ईश्वर दयाल शर्मा, धर्म सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

## राजौंद में बंदरों का आतंक जारी

# सरकारी हॉस्पिटल राजौंद में नर्सिंग ऑफिसर मोनिका को अस्पताल के अंदर खुंखार बंदर ने काटा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

**राजौंद।** राजौंद में बंदरों का अतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सरकारी हॉस्पिटल राजौंद में नर्सिंग ऑफिसर मोनिका को अस्पताल के अंदर घुसकर बंदर ने काटा। खुंखार बंदर ने उनकी वर्दी भी फाड़ दी। मोनिका ने बहुत मुश्किल से अपनी जान बचाई। स्टाफ कर्मियों ने बताया कि 2 दिन पहले भी एक मरीज को खुंखार बंदर ने हड़ताल में ही काट लिया था।

वहीं नगर के हर वार्ड से यदा कदा बंदरों के काटने की घटना सामने आ रही है। नगर राजौद में आतंकी बंदरों ने दहशत फैला रखी है। हस्पताल कर्मी ने बताया कि एक बहुत ही खूंखार बंदर राजौंद के सरकारी अस्पताल में अकेले नागरिक को देखकर हमला कर देता है। इसको काबू कर जंगल में छोड़ना बहुत जरूरी है। दूसरी ओर राजौंद में बंदर

घायल नर्सिंग ऑफिसर मोनिका।

पकड़ने वाले ठेकेदार व पार्षदों के बीच मनमुटाव कम होता नहीं दिख रहा है। जिससे बंदरों की संख्या पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। पार्षद जोनी राणा से फोन पर बात की गई तो उन्होंने कहा कि जब तक ठेकेदार राजौंद से पकड़े गए बंदरों को जंगल में पार्षदों के प्रतिनिधि के सामने छोड़ना स्विकार नहीं करता, तब तक वह ठेकेदार से सहमत नहीं होंगे। पार्षदों में कहां की ठेकेदार ने राजौंद के नागरिकों पर पैसे मांगने का झूठा आरोप लगाया है। ठेकेदार को अपने शब्द वापस लेने होंगे।

वहीं जब बंदर पकड़ने वाले ठेकेदार मनदीप नैन से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यदि राजौंद के पार्षद बंदरों को रिलीज करते समय उनके साथ जाना चाहते हैं तो उनको कोई आपत्ति नहीं है। मामले के बारे में नगर पालिका सचिव नरेंद्र शर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को टेबल पर आमने-सामने बिठाकर समस्या का समाधान करवाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि नगर में बंदरों का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

# विश्व शांति व मानव कल्याण के लिए किया हवन यज्ञ का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

**असन्ध।** श्रावण मास के अवसर पर विश्व शांति व मानव कल्याण के लिए ऋषिकेश के नीलकंठ महादेव मन्दिर में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया।

यह धार्मिक कार्यक्रम नगर के श्री नीलकंठ महादेव दर्शन मंडल के सोमवीर सिंगरोहा आयोजन में किया गया। पंडित नरेश वत्स शास्त्री नें मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ किया। इस अवसर पर संजय सैन, रामदिया भट्ट, प्रीतम शर्मा, गोल्डी भट्ट, कृष्ण माहीवाल व रमन भट्ट नें हवन यज्ञ में आहुति डाली। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व आज दुखों की आग में जल रहा है। धन दौलत की आंधी दौड़ में मनुष्य प्रभु भक्ति से विमुख हो गया है। जिस कारण परिवार अंतर्कलह के कारण टूट रहे हैं। उस पर प्राकृतिक आपदाओं से देश व विदेशों में भारी तबाही नें तांडव का रूप ले लिया है। ऐसे में भोले नाथ महादेव का स्मरण चिंतन ही दुखों से छुटकारा पाने का एकमात्र मार्ग है।

# जूडो में परमजीत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

संजना भारती संवाददाता

**असंध।** वैदिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बल्ला में बुधवार को जिला स्तर पर खेल प्रतियोगिता को पूरा करते हुए परमजीत ने जूडो में प्रथम स्थान प्राप्त किया और राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिता में अपना नाम दर्ज करवाया। इसी के साथ सदाशिव ने 400 मीटर और 200 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया और राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए चुने गए।

वैदिक विद्यालय में दोनों ही छात्रों की इस शानदार सफलता के लिए सभी ने उनको बधाई दी। विद्यालय के प्रबंधक विकास मान ने बच्चों को शील्ड देकर सम्मानित किया और उन्हें आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसी के साथ असंध में ब्लॉक लेवल पर खेल प्रतियोगिता में जूडो, दौड़, कुश्ती खेल प्रतियोगिता में भी छात्रों ने बाजी मारी। दो-दिवसीय खेल प्रतियोगिता में छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ब्लॉक लेवल पर अपने स्थान हासिल किए। जिसमें सौरभ कक्षा छठी जूडो में प्रथम, परमजीत कक्षा ग्यारहवीं जूडो में प्रथम, 200 मीटर रेस में द्वितीय, छह किलोमीटर रेस में प्रथम, दक्ष कक्षा आठवीं रेस में प्रथम, सावन कुश्ती में प्रथम, ईशांत कक्षा आठवीं 400 मीटर में तृतीय, 600 मीटर में द्वितीय, देव कक्षा दसवीं 1500 मीटर में प्रथम और लंबी कूद में द्वितीय स्थान, हिमांशु कक्षा दसवीं 1500 मीटर में तृतीय, कृष्णा कक्षा ग्यारहवीं 100 मीटर में द्वितीय तथा सदाशिव कक्षा ग्यारहवीं ने 400 मीटर में प्रथम और 200 मीटर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ-साथ जतिन कक्षा दसवीं तथा मनीष कक्षा नौवीं ने ब्लॉक लेवल पर कबड्डी में जीत हासिल की तथा अंजलि, तन्वी 8th क्लास रेसलिंग में प्रथम स्थान पर रही व सुनेहा सातवीं क्लास से रेसलिंग में द्वितीय स्थान पर रही। इस प्रकार सफलता हासिल करते हुए बच्चों ने अपने विद्यालय का नाम रोशन किया। इस जीत के मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रीति मान और उपप्रधानाचार्य सुरेन्द्र श्योकंद ने बच्चों की सफलता पर उन्हे बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सफलता के इस मौके पर विद्यालय के संचालक विकास मान ने सभी विजयी छात्र छात्राओं को शील्ड देकर सम्मानित किया और बच्चों को बधाई देते हुए खेलों के महत्व के बारे में बताया तथा विद्यालय के बाकी विद्यार्थियों को भी ज्यादा से ज्यादा खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

# प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम राजौंद में रक्षाबंधन धूमधाम से मनाया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

**राजौंद।** रक्षाबंधन का पर्व जहाँ भाई-बहन के प्रेम और रक्षा के संकल्प का प्रतीक है, वहीं इसकी आध्यात्मिक गहराई मानव आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का संदेश देती है। इसी भाव को सजीव करते हुए 6 अगस्त, बुधवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय राजौंद ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर रक्षाबंधन के पावन अवसर पर रक्षा बंधन का त्योंहार बडी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में असंध सेवाकेंद्र प्रभारी आदरणीय राजयोगिनी उषा दीदी और ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी विषेश रुप से पहुंचे। इस अवसर पर भाग्यविधाता फिल्म भी दिखाई गई और उषा दीदी ने रक्षाबंधन के महत्त्व को बताते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल एक पारिवारिक पर्व न होकर एक आत्मिक जागृति का उत्सव है।

रक्षा सूत्र का तात्पर्य है-स्वयं को आत्मा समझकर पांच विकारों से रक्षा करना और परमात्मा से सच्चा संबंध जोड़ना। उन्होने कहा की आज हर व्यक्ति

को खुद का रक्षण करना होगा, विकारों से, बुराइयों से। इसके लिए स्वयं के स्वरूप में टिके और आत्मिक स्मृति का तिलक लगाए। क्योंकि आज हम जितने सुरक्षा के प्रबंध किए जा रहे हैं उतने ही असुरक्षित होते जा रहे हैं बाहरी रुप से तो हम प्रबंध करते हैं पर आज जरूरत है हमे तनाव, नशा, परचितन इत्यादि बुराइयों से सुरक्षा की। इसके लिए मेडीटेशन करे स्वयं से जुड़े और परमात्मा पिता से जुड़े।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी ने परमात्मा पिता की मीठी मीठी शिक्षाएं सुनाते हुए कहा की काम क्रोध, ईर्ष्या आदि की अग्नि से आज मानव जल रहा है। परमात्मा पिता को याद कर हम खुद को इन बुराइयों से मुक्त कर सकते है और एक स्वर्णिम समाज की स्थापना में अपना सहयोग दे सकते हैं। आज के दिन हम सब रक्षासूत्र बंधवाने के साथ नशा ना करने और प्रकृति की सुरक्षा करने का संकल्प लें। कार्यक्रम में नन्हे बच्चों ने संस्कृति प्रस्तुतियां देकर सबको राखी का महत्त्व समझाया। कार्यक्रम के अंत में सबको उपहार के रूप में पौधे वितरित किए गए।

# अध्यापिका ने बच्चों संग पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संजना भारती संवाददाता

**असंध।** जलमाना स्थित राजकीय माडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल में पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत बच्चों के साथ स्काउट एंड गाइड टीम हुई शामिल। प्राइमरी स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत बुधवार को पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायक संदेश देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड टीम और स्कूली बच्चों ने मिलकर पौधे लगाए और प्रकृति से जुड़ने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान पाठशाला की अध्यापिका सुरेंद्र कुमारी और अध्यापक ऋषि पाल ने बच्चों को पौधों के महत्व, देखभाल और पर्यावरण संतुलन पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि हर बच्चा अपने जन्मदिन पर एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल करे ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके।

# लंबित जन शिकायतों का जल्द हो समाधान: सोनू भट्ट

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

**करनाल।** एडीसी सोनू भट्ट की अध्यक्षता में बुधवार को एडीसी कार्यालय में समाधान शिविर, सीएम विंडो तथा जन-संवाद पोर्टल पर लंबित जन शिकायतों की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्राप्त शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें।

एडीसी ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का समाधान प्रशासन की कार्यशैली का आईना होता है। जब प्रशासन त्वरित और न्यायपूर्ण तरीके से समस्याओं का समाधान करता है, तो इससे जनता का भरोसा बढ़ता है और प्रशासनिक व्यवस्था सुदृढ़ होती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं जन शिकायतों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं, जिससे जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला लघु सचिवालय सहित सभी उपमंडल कार्यालयों में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में प्राप्त शिकायतों पर अधिकारी गंभीरता से कार्य करें और जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में सीटीएम मोनिका, डीडीपीओ संजय टांक, जिले के सभी बीडीपीओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।